



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 8, 1977 (आश्विन 16, 1899)

No. 41]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER, 1977 (ASVINA 16, 1899)

इस भाग में भिन्न पट्ठ सल्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)

भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)

भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की

गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की

गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग II—खंड 1—प्रशिनियम, प्रध्यादेश और विनियम

भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रक्र समितियों की रिपोर्टें . . . .

भाग II—खंड 3—उपखंड (i) — (रक्षा मंत्रालय

को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं और नोटिस

पृष्ठ

जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . .

पृष्ठ

2895

559

भाग II—खंड 3—उपखंड (ii) — (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों प्रीर (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और प्रधिसूचनाएं . . . .

3613

1389

भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश

505

29

भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा मंलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

4553

1113

भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई प्रधिसूचनाएं और नोटिस

833

—

भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई प्रधिसूचनाएं

145

—

भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . .

1671

—

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस

167

## CONTENTS

PART	SECTION	PAGE	PAGE
PART I	SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .		(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. . . . .
PART I	SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	559	2895
PART I	SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence . . . . .	1389	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. . . . .
PART I	SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	1113	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. . . . .
PART II	SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations. . . . .	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .
PART II	SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills . . . . .	—	PART III—SECTION 2.—Notifications Notices issued by the Patent Office, Calcutta . . . . .
PART II	SECTION 3.—SUB-SEC (ii).—Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India . . . . .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .
		—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .
		—	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies . . . . .

## भाग I—संग्रह 1

### PART I—SECTION 1

(राजा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यापालय द्वारा जारी की गई विवितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से सम्बंधित अधिसूचनाएं।

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

#### गान्धीपति मन्त्रालय

नई दिल्ली, विनाक 26 मित्रवद्वारा, 1977

सं० 81-प्रेज/77—इस भवित्वालय की दिनाक 18 मार्च, 1973 की अधिसूचना मंड्या 16-प्रेज/73 में प्रकाशित प्रबन्धा भारणी में गान्धीपति द्वारा अनुमोदित निम्नलिखित सशोधन आम जानकारी के लिए अधिसूचित किए जाते हैं—

अनुच्छेद 7 में निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़े—

“राज्य मध्य और लोक गवाम में विपक्ष के नेता।”

नोट 9 के नीचे निम्नलिखित जोड़े—

“नोट 10 लेफिटेनेंट जनरल जो रेता के कमाण्डर/उप थल मेना अध्यक्ष अध्यक्ष जो अध्य सेवाओं में समकक्ष है वे 3 से 5 समय तक जड़ 1 के बीच कमाण्डर रहें, अनुच्छेद 25 में सम्मिलित अन्य सभी लेफिटेनेंट जनरलों अध्यक्ष अध्यक्ष में हमेशा सीनियर होंगे।

के० धी० मादप्पा, गान्धीपति के भवित्व

#### विस मन्त्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनाक 17 मित्रवद्वारा 1977

सं० एफ० 3(17)-एन० ८००/७७ केन्द्रीय सरकार मानकीकृत अधिकारण प्रणाली के ग्रन्तीत नियुक्त किए गए प्राधिकृत एजेंटों के अधिकारण का एन्डवारा विस्तार करके उन गव्याधीय विकास बाण्डों को भी इसके अन्वर्गन लाती है जिन्हे वित्त मन्त्रालय (आधिक कार्य विभाग) की दिनाक 31 अगस्त 1977 की अधिसूचना नं० का० नि० सख्ता 598 (अ) की गती के अनुसार डाकघरों से जारी किया गया है। प्राधिकृत एजेंटों को उन्होंने द्वारा बैंचे गए बाण्डों पर 2 5 प्रतिशत की रुम से अध्ययन ऐसी दर पर कमीशन दिया जायेगा जिसे सरकार मध्य समय पर निर्धारित करेगी।

प० धी० शोनिवासन, अवर-मन्त्रिव

#### कृषि और सिवाई मन्त्रालय

कृषि विभाग

नई दिल्ली, विनाक 19 मित्रवद्वारा 1977

#### संकलन

सं० 48012(1)/76-सी० ८०-१—भारत सरकार ने भ्रपने संकलन सं० 53-1/73-सी० ८०-१ दिनाक 13 मित्रवद्वारा 1973 द्वारा गठित भारतीय तम्बाकू विकास परिषद का 1 अक्टूबर 1977 से पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। पुनर्गठित परिषद में निम्नलिखित अधिकारण शामिल होंगे—

1. अध्यक्ष भारत सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला एक नीर सरकारी अधिकृत।
2. उपाध्यक्ष अपर मन्त्रिव, भारत सरकार, कृषि तथा सिवाई मन्त्रालय (कृषि विभाग)
3. सदस्य

#### (क) राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

निम्नलिखित राज्य सरकारों के कृषि विभागों का एक-एक प्रतिनिधि जिसे सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा नामित किया जाएगा,

1. आनन्द प्रदेश
2. बिहार
3. गुजरात
4. कर्नाटक
5. तमिलनाडू
6. पश्चिम बंगाल

#### (ख) केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

- (1) योजना आयोग का एक प्रतिनिधि।
- (2) वाणिज्य मन्त्रालय का एक प्रतिनिधि।
- (3) भारत सरकार का कृषि आयुक्त अध्यक्ष उनका प्रतिनिधि।
- (4) अध्यक्ष तम्बाकू बोर्ड
- (5) महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अध्यक्ष उनका प्रतिनिधि।
- (6) परियोजना समन्वयक (तम्बाकू) कृषि मस्थान, आनन्द (गुजरात)
- (7) निदेशक, केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुखरी (आध्र प्रदेश)

#### (ग) उत्पादकों के प्रतिनिधि—

उत्पादकों के आठ प्रतिनिधि जिन्हे अधिक तम्बाकू पैदा करने वाले निम्नलिखित राज्यों से गम्भीरत राज्य सरकारों द्वारा नामित किया जाएगा—

(1) आस्था प्रदेश	2 प्रतिनिधि
(2) बिहार	1 प्रतिनिधि
(3) गुजरात	1 प्रतिनिधि
(4) कर्नाटक	1 प्रतिनिधि
(5) महाराष्ट्र	1 प्रतिनिधि
(6) तमिलनाडू	1 प्रतिनिधि
(7) पश्चिम बंगाल	1 प्रतिनिधि

#### (घ) व्यापार के प्रतिनिधि

व्यापार के तीन प्रतिनिधि जिनके नाम का प्रस्ताव व्यापार मन्त्रालय करेगा।

#### (इ) उद्योग के प्रतिनिधि

उद्योग के तीन प्रतिनिधि

#### (ज) अन्य संसद मदस्य

- (1) तीन संसद मदस्य, जिन्हे संसदीय कार्य विभाग द्वारा नामित किया जाएगा।

(2) कर्मचारियों के प्रतिनिधि।

(क) खेतों में काम करने वाले	एक
(ख) कारबानों में काम करने वाले	एक

(छ) ऐसे अधिकारी व्यक्ति, जो भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित किए जायें।

#### 4 सदस्य सचिव निदेशक

नम्बाकू विकास निदेशालय,

(कृषि विभाग)

कृषि और निचाई मन्त्रालय (मन्त्रालय)

5 प्रेसक (जो परिषद के सदस्य नहीं होंगे, किन्तु उन्हें परिषद विचार विषय में सहायता के लिये अधिकार आवंटित किया जायेगा)।

(1) अध्यक्ष, राज्य व्यापार नियम अधिका उनका प्रतिनिधि।

(2) कृषि विषयन सलाहकार, भारत सरकार, कृषि और सिचाई मन्त्रालय अधिका उनका प्रतिनिधि।

(3) वित्तीय सलाहकार, कृषि विभाग, कृषि और सिचाई मन्त्रालय

(4) अर्थ तथा सांख्यिकी सलाहकार, कृषि विभाग, कृषि और सिचाई मन्त्रालय अधिका उनका प्रतिनिधि।

(5) प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय कृषि भविकारी विषयन संघ (भारत) लिमिटेड।

(6) सम्बूद्ध आयुक्त (वाणिज्यिक फसल), कृषि और निचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग)।

2 यह परिषद एक प्रभागीय परिषद होगी जिसके निम्नलिखित कार्य होंगे—

(1) केन्द्रीय तथा राज्य क्षेत्रों में नम्बाकू के विकास कार्य-क्रमों पर विचार करना, समय-समय पर उनकी प्रगति की समीक्षा करना और नम्बाकू के उत्पादन में बढ़िया करने के लिये मुश्किल देना,

(2) नम्बाकू के उत्पादन व विषयन तथा नम्बाकू उत्पादकों की नाभिप्रद मूल्य विलाने के सम्बन्ध में समस्याओं पर विचार करना और इस सम्बन्ध में सरकार को मनाह देना,

(3) देश और विदेश की महिलों में नम्बाकू की खोप पर विचार करना और उचित विकास कार्यक्रमों द्वारा उस तारीख की पूर्ति के लिये आवश्यक अवधियों करने के बारे में सरकार को मनाह देना,

(4) नम्बाकू के उत्पादन के सम्बन्ध में लघु तथा सीमान छूटका की विशेष प्रवर्षकताओं पर विचार करना तथा उनकी पूर्ति के लिये उपयुक्त उपाय मुश्किल देना,

(5) नम्बाकू के अनुसंधान तथा विकास कार्यक्रमों के भीच सम्बन्ध स्थापित करने में महायता करता और नम्बाकू की विकासिती तथा उसकी उन्नादकता में सुधार की प्रावधकनाओं के बारे में सुझाव देना,

(6) समय-समय पर आवश्यक ममत्वे जारी बोर्ड सम्बन्धित मामलों पर सरकार को सलाह देना।

3 आवश्यकनामार परिषद विशिष्ट मुद्रा पर गौर करने के लिए तकनीकी समितियाँ, स्थायी समितियाँ एवं नवर्षी गमतियाँ गठित कर सकेंगी तथा विशिष्ट प्रयोजनों के लिए कृषि विषयविधायियों और अन्य विशेष हितों के प्रतिनिधियों को सदस्य महिलों जितना करेंगी।

4 परिषद की बैठक, समय-समय पर तम्बाकू वैद्य करने वाले क्षेत्रों तथा व्यापार और उद्योग के महत्वपूर्ण केन्द्रों से होगी और परिषद अपनी नियमित भारत सरकार को प्रस्तुत करेगी।

5 परिषद सब तक काम करनी चाही जब तक कि उसे सरकार के किसी सकल्य द्वारा समाप्त न कर दिया जाए। परिषद के अध्यक्ष

तथा अन्य भी सरकारी सदस्यों का कार्यकाल परिषद में उनके नामित होने की तारीख से भीतर बर्ष होगा। परन्तु भारत सरकार विशेष आदेश द्वारा इस प्रविधि को बढ़ा या बढ़ा सकेगी।

6 परिषद के सदस्य नामित होने वाले सभी सदस्य समव सदस्य न रहने पर परिषद के सदस्य भी नहीं रह सकेंगे।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि द्वारा सकल्य की एक-एक प्रति समस्त गज्य सरकारों, सभी राज्य क्षेत्रों तथा भारत सरकार के मन्त्रालयों, योजना आयोग, मविमडल सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय तथा लोक सभा और राज्य सभा सचिवालयों को भेज दी जाए।

2 यह भी आदेश दिया जाता है कि इस सकल्य को सार्वजनिक सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

#### सकल्य

स० 48012 (8) /76-मी० ए०-।—भारत सरकार से अपने अपने सकल्य स० 10-१/73-मी० ए०-१ दिनांक 25 सितम्बर, 1973 द्वारा गठित भारतीय मुपारी विकास परिषद का । अक्टूबर, 1977 से पुनर्गठित करने का निर्णय किया है। पुनर्गठित परिषद का नाम भारतीय मुपारी और कांको विकास परिषद होगा। उसमें निम्नलिखित व्यक्ति नामिल होंगे।

1 अध्यक्ष भारत सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला एक गैर-सरकारी व्यक्ति।

2 उपाध्यक्ष अपर सचिव, भारत सरकार, कृषि तथा निचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग)

#### 3 सदस्य

(क) राज्य सरकारों के प्रतिनिधि।

निम्नलिखित राज्य सरकारों के कृषि विभागों का एक-एक प्रतिनिधि जिसे सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा नामित किया जाएगा।

1 असम

2 कर्नाटक

3 केरल

4 महाराष्ट्र

5 मेघालय

6 निमिलनाडु

7 पश्चिम बंगाल

(ख) केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

(1) योजना आयोग का एक प्रतिनिधि।

(2) वाणिज्य मंत्रालय का एक प्रतिनिधि।

(3) भारत सरकार का कृषि आयुक्त अधिका उनका प्रतिनिधि।

(4) महानियेंक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अधिका उनका प्रतिनिधि।

(5) परियोजना अभ्यन्तरीन तथा मुपारी केन्द्रीय रोपण कमल अनुसंधान सम्बान्ध पोस्ट कुर्स कैमरा गोड (केरल)

(ग) उत्पादकों के प्रतिनिधि

(क) मुपारी उत्पादकों का एक प्रतिनिधि जिसे निम्नलिखित राज्यों से सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा नामित किया जाएगा।

(1) असम

(2) कर्नाटक

(3) केरल

(4) महाराष्ट्र

- (5) मेवालय
- (6) नमिनानाहु
- (7) पश्चिम बगाल

(अ) कोको उत्पादकों का एक प्रतिनिधि जिसे निम्नलिखित राज्यों में सम्बद्धित राज्य मन्त्रियों द्वारा नामित किया जाएगा

- (1) केरल
- (2) कर्नाटक
- (3) तमिलनाडु

(ब) आपार के प्रतिनिधि

सुपारी और कोको आपार का एक-एक प्रतिनिधि जिसके नाम का प्रस्ताव वाणिज्य मन्त्रालय करेगा।

(छ) उद्योग के प्रतिनिधि

(क) सुपारी उद्योग का एक प्रतिनिधि

(ख) कोको उद्योग का एक प्रतिनिधि।

(च) अन्य सभद सदस्य (1) तीन समव सदस्य, जिन्हें समीक्षा कार्य विभाग द्वारा नामित किया जाएगा।

(2) कर्मचारियों के प्रतिनिधि

(क) थेटों में काम करने वाले	एक
(ख) कारखानों में काम करने वाले	एक

(छ) ऐसे अनिवार्य व्यक्ति, जो भारत मरकार द्वारा समय-समय पर नामित किया जाये।

#### 4. सदस्य सचिव निदेशक

सुपारी और ममाला विकास निवेशालय,  
कोजीकोड़

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग)

5. प्रेक्षक (जो परिषद के सदस्य नहीं होंगे, किन्तु उन्हें परिषद के विचार विषयों में सहायता के लिये अवश्य आवश्यक नियुक्त किया जायेगा)

- (1) अध्यक्ष, राज्य आपार निगम अध्यक्ष उनका प्रतिनिधि।
- (2) कृषि विषयन सलाहकार, भारत मरकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय अथवा उनका प्रतिनिधि।
- (3) विनीय सलाहकार, कृषि विभाग, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय।
- (4) अर्थ नया मान्यकी सलाहकार, कृषि विभाग, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय अथवा उनका प्रतिनिधि।
- (5) निदेशक, बैन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी प्रत्यायन संस्थान, वैसुर
- (6) राष्ट्रीय गहकारी विकास निगम, नई विरासी।
- (7) सेयकल आयुक्त (वाणिज्यिक फसल), कृषि और सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग)।

2. यह परिषद एक परामर्शदायी परिषद होगी जिसके निम्नलिखित कार्य होंगे

- (1) केन्द्रीय नया गत्य थेटों में सुपारी और कोको के विकास कार्यक्रमों पर विचार करना, अन्य-अन्य पर उनकी प्रगति की समीक्षा करना और सुपारी और कोको के उत्पादन से वृद्धि करने के लिए सुझाव देना,
- (2) सुपारी और कोको के उत्पादन व विषयन नया सुपारी और कोको उत्पादकों को लाभप्रद मूल्य दिलाने के सम्बद्ध में समस्याओं पर विचार करना और इस सम्बन्ध में मरकार को सन्तान देना,
- (3) देश और विदेश की मडियों में सुपारी और कोको की मार्ग पर विचार करना और उचित विकास कार्यक्रमों द्वारा इस

मार्ग की प्रति के लिये आवश्यक व्यवस्था बनाने के बारे में सरकार को सन्तान देना,

(4) सुपारी और कोको के उत्पादन के सम्बन्ध में लशु सथा सीमांत कृषकों की विशेष आवश्यकताएँ पर विचार करना तथा उनकी पूर्ति के लिये उपयुक्त उपाय सुझाना,

(5) सुपारी और कोको के अनुसंधान तथा विकास कार्यक्रमों के व्यापक सम्बन्ध स्थापित करने में सहायता करना और सुपारी नया कोको की विवाहिती तथा उनकी उत्पादकता में सुवार्ता की आवश्यकताओं के बारे में सुझाव देना,

(6) समय-समय पर आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे अन्य गम्भीर घटनाएँ पर मरकार को सन्तान देना।

3. आवश्यकतानुसार भारतीय सुपारी नया कोको परिषद विशिष्ट भूमध्य पर गौर करने के लिए तकनीकी समितियाँ, स्थायी समितियाँ एवं तदर्थ गमितियाँ गठित कर लेनी तथा विशिष्ट प्रयोजनों के लिए कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य विषय हिलो के प्रतिनिधियों को मदस्य संग्रहीत कर लेनी।

4. परिषद की बैठक, समय-समय पर सुपारी और कोको पैदा करने वाले थेटों तथा/अथवा आपार और उद्योग के महत्वपूर्ण केन्द्रों में होगी और परिषद अपनी मिकारियों भारत मरकार को प्रस्तुत करेगी।

5. परिषद तब तक काम करनी रहेगी जब तक कि उसे सरकार के किसी सकल्प द्वारा समाप्त न कर दिया जाए। परिषद के अध्यक्ष तथा अन्य गैर-मरकारी सदस्यों का कार्यकाल परिषद में उनके नामित होने की नारीख से तीन वर्ष होगा परन्तु भारत मरकार विशेष आदेश वार्ग इस अवधि का घटा या बढ़ा गकेगी।

6. परिषद के सदस्य नामित होने वाले समद सदस्य सदस्य मरकार न होने पर परिषद के सदस्य भी नहीं रह सकेंगे।

#### आदेश

आदेश दिया जाना है कि इस सकल्प की एक-एक प्रति समस्त राज्य मरकारों, उष्ण राज्य थेटों तथा भारत मरकार के मन्त्रालयों, योजना आयोग, मन्त्रिमण्डल मन्त्रिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय तथा लोक सभा और राज्य सभा मन्त्रिवालयों को भेज दी जाए।

यह सी आदेश दिया जाना है कि इस सकल्प को मार्खजनिक सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

८.० दाम, अपर सचिव

#### अम मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1977

#### सकल्प

ग० एम०-६१०११/३/७७/ ढी० आई० १०—व्यापक औद्योगिक सबध कानून तथा भारतीय श्रम सम्बेलन गठन विषयक समिति में जैसी कि भारत के राजपत्र, अमाधारण, भाग I, खण्ड 1, दिनांक 18 जूलाई, 1977 में प्रकाशित सकल्प एम०-६१०११/३/७७-ढी० आई० १०, दिनांक 1 जूलाई 1977 में स्थापित की गई है, सदस्यों के नीचे श्रमक संघ 5 में उल्लिखित श्री पी० ढी० यासवेकर के स्थान पर श्री श्री० प० एम० जैसे, अमायक्स, महाराष्ट्र, उक्त समिति के मदरद मियुक्त किए गए हैं।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प को भारत के राजपत्र भाग I, खण्ड 1 में प्रकाशित किया जाय।

यह सी आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प की एक प्रति भारत मरकार के मन्त्रालयों/विभागों, उष्ण राज्य मरकारों/मन्त्र राज्य थेटों के प्रशासनों तथा मध्य सभी सबधितों को भेजी जाय।

देवकन्त बद्धोपाध्याय, मयूक्त सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th September 1977

No. 81-Press./77.—The following amendments approved by the President to the Table of Precedence published in this Secretariat Notification No. 16-Pres./73, dated the 18th March, 1973 are notified for general information:

*In Article 7 add the following—*

“Leaders of Opposition in the Rajya Sabha and the Lok Sabha.”

*Below Note 9 add the following—*

“Note 10 · Lieutenant Generals who are Army Commanders/VCOAS or equivalent in other Services, would always rank senior to all other Lieutenant Generals or equivalent included in Article 25 so long as they continue to be such Commanders.”

K. C. MADAPPA  
Secretary to the President.

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 17th September 1977

No F 3(17)-NS/77.—The Central Government hereby extends the agency of Authorised Agents appointed under the Standardised Agency System to National Development Bonds issued by post offices in terms of Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Notification GSR No. 598(E) dated the 31st August 1977. The Authorised Agents will be paid commission at the rate of 2.5 per cent, or at a such rate as may be prescribed by the Government from time to time, on the sale of Bonds made through them.

A. V. SRINIVASAN, Under Secy

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 19th September 1977

## RESOLUTION

No 48012(1)/76-CAI.—The Government of India have decided to reconstitute, with effect from 1st October, 1977, the Indian Tobacco Development Council set up *vide* their Resolution No. 53-1/73-CAI, dated the 13th September, 1973. The reconstituted Council will be composed as follows:—

## I CHAIRMAN

A Non-Official to be nominated by the Government of India

## II VICE-CHAIRMAN

Additional Secretary to the Government of India in the Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture).

## III. MEMBERS

(A) *Representatives of State Governments*—One representative from each of the following State Governments in the Department of Agriculture to be nominated by the respective State Governments.—

- (i) Andhra Pradesh
- (ii) Bihar
- (iii) Gujarat
- (iv) Karnataka
- (v) Tamil Nadu
- (vi) West Bengal

(B) *Representatives of Central Government*—(i) One representative of the Planning Commission

- (ii) One representative of the Ministry of Commerce
- (iii) Agriculture Commissioner to the Government of India or his nominee
- (iv) Chairman, Tobacco Board
- (v) Director General, I.C.A.R., or his nominee
- (vi) Project Coordinator (Tobacco), Institute of Agriculture, Anand (Gujarat).

(vii) Director, Central Tobacco Research Institute, Rajamundry (Andhra Pradesh)

(C) *Growers' Representatives*—Eight Growers' Representatives to be nominated by the respective State Governments from the major tobacco growing States as follows:—

- (i) Andhra Pradesh—Two representatives
- (ii) Bihar—One representative.
- (iii) Gujarat—One representative.
- (iv) Karnataka—One representative.
- (v) Maharashtra—One representative.
- (vi) Tamil Nadu—One representative.
- (vii) West Bengal—One representative.

(D) *Representatives of Trade*—Three representatives of trade to be recommended by the Ministry of Commerce

(E) *Representatives of Industry*—Three representatives of Industry

(F) *Others*—Members of Parliament

(i) Three Members of Parliament to be nominated by the Department of Parliamentary Affairs.

(ii) Representation to Workers :

- (a) engaged in farms—One
- (b) engaged in factories—One

(G) Such additional persons as may, from time to time, be nominated by the Government of India

## IV MEMBER SECRETARY

The Director, Directorate of Tobacco Development, (Department of Agriculture), Ministry of Agriculture & Irrigation, MADRAS

## V OBSERVERS

(Who would not be members of the Council but would be invariably invited to assist the Council in its deliberations).

- 1 Chairman, State Trading Corporation or his representative
- 2 Agricultural Marketing Adviser—Govt. of India, Ministry of Agriculture and Irrigation or his representative.
- 3 Financial Adviser Department of Agriculture, Ministry of Agriculture and Irrigation
- 4 Economics and Statistical Adviser, Department of Agriculture, Ministry of Agriculture and Irrigation or his representative
- 5 Managing Director, National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India Ltd.
- 6 Joint Commissioner (Commercial Crops), Department of Agriculture, Ministry of Agriculture & Irrigation.
- 2. The Council will be an advisory body and will have the following functions:—

- (1) To consider development programmes in the Central and State Sectors in respect of Tabacco, review progress/thereof from time to time, and recommend measures for increasing the production of tobacco.
- (2) To consider problems relating to the production and marketing of tobacco and remunerative prices to tobacco growers and advise Government in these matters.
- (3) To consider demands for tobacco in the domestic as well as export market and advise Government about necessary arrangements for meeting the said demands through suitable development programmes
- (4) To consider the special needs of small and marginal farmers in respect of tobacco production and suggest suitable measures for meeting the same,
- (5) To facilitate coordination between research and development programmes relating to tobacco and to advise about the needs for improvement in the quality and productivity of tobacco; and
- (6) To advise Government on such other connected matters as may be considered necessary from time to time

3 The council will have powers to set up standing committee, Technical Committee and *ad hoc* Committee to look

into specific issues and to coopt members such as representatives of Agricultural Universities and other special interests as and when necessary, for specific purposes.

4. The Council will meet periodically in areas in which tobacco is grown and at important centres of trade and industry and will make recommendations to the Government of India.

5. The Council will continue to function until it is abolished by a Resolution of the Government. The term of the Chairman and other non-official members of the Council would be three years from the date they are nominated on the Council unless this period is curtailed or extended by a specific order of the Government of India.

6. Those members of the Council who are nominated from among Members of the Parliament will cease to be the members of the Council as soon as they cease to be Members of Parliament.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats.

2 ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

#### RESOLUTION

No 48012(8)/76-C.A.I.—The Government of India have decided to reconstitute with effect from 1st October, 1977 the Indian Arecanut Development Council set up *vide* their Resolution No. 10-1/73-C.A.I., dated the 25th September, 1973. The reconstituted Council will be known as Indian Arecanut & Cocoa Development Council and will be composed as follows. —

#### I CHAIRMAN

A Non-official to be nominated by the Government of India.

#### II VICE-CHAIRMAN

Additional Secretary to the Government of India in the Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture).

#### III. MEMBERS

(A) *Representatives of State Governments*—One representative from each of the following State Governments in the Department of Agriculture to be nominated by the respective State Governments. —

- (i) Assam.
- (ii) Karnataka
- (iii) Kerala
- (iv) Maharashtra
- (v) Meghalaya.
- (vi) Tamil Nadu,
- (vii) West Bengal.

(B) *Representatives of Central Government*—(i) One representative of the Planning Commission

(ii) One representative of the Ministry of Commerce.

(iii) Agricultural Commissioner to the Government of India or his nominee

(iv) Director General, I.C.A.R., New Delhi or his nominee

(v) Project Coordinator (Coconut and Arecanut), Central Plantation Crops Research Institute, Post Kudln, Kasaragod (Kerala)

(C) *Growers' Representatives*—(a) One Arecanut Growers' representative each to be nominated by the respective State Government from the following States. —

- (i) Assam.
- (ii) Karnataka
- (iii) Kerala
- (iv) Maharashtra
- (v) Meghalaya
- (vi) Tamil Nadu
- (vii) West Bengal.

(b) One Cocoa Growers' representative each to be nominated by the respective State Government from the following States. —

- (i) Kerala
- (ii) Karnataka,
- (iii) Tamil Nadu

(D) *Representatives of Trade*—One representative each of arecanut and cocoa trade to be recommended by the Ministry of Commerce

(E) *Representatives of Industry*—(a) One representative of Arecanut Industry.

- (b) One representative of Cocoa Industry.

(F) *Others*—MEMBERS OF PARLIAMENT :—

(i) Three Members of Parliament to be nominated by the Department of Parliamentary Affairs.

(ii) Representation to workers. —

- (a) Engaged in Farms—One
- (b) Engaged in factories—One

(G) Such additional persons as may from time to time, be nominated by the Government of India.

#### IV MEMBER SECRETARY

The Director, Directorate of Arecanut & Spices Dev., Kozhikode

#### V OBSERVERS

(Who would not be members of the Council but would be invariably invited to assist the Council in the deliberations). —

- (1) Chairman, State Trading Corporation or his representative.
- (2) Agricultural Marketing Adviser—Government of India, Ministry of Agriculture & Irrigation, or his representative,
- (3) Financial Adviser, Department of Agriculture, Ministry of Agriculture & Irrigation
- (4) Economics and Statistical Adviser, Department of Agriculture, Ministry of Agriculture & Irrigation, or his representative;
- (5) Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore.
- (6) National Cooperative Development Corporation, New Delhi
- (7) Joint Commissioner (Commercial Crops) Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture).

2. The Council will be an advisory body and will have the following functions :—

- (1) To consider development programmes in the Central and State Sectors in respect of Arecanut & Cocoa, review progress thereof from time to time and recommend measures for increasing the production of Arecanut & Cocoa;
- (2) To consider problems relating to the production and marketing of Arecanut and Cocoa and remunerative prices to Arecanut and Cocoa growers and advise Government in these matters;
- (3) To consider demands for arecanut and cocoa in the domestic as well as export markets and advise Government about necessary arrangements for meeting the said demands through suitable development programmes;
- (4) To consider the special needs of small and marginal farmers in respect of a arecanut and cocoa production and suggest suitable measures for meeting the same;
- (5) To facilitate coordination between research and development programme relating to arecanut and cocoa and to advise about the needs for improvement in the quality and productivity of arecanut and cocoa;
- (6) To advise Government on such other connected matters as may be considered necessary from time to time.

3 The Indian Areca nut & Cocoa Development Council will have powers to set up Standing Committee, Technical Committee and *Ad-hoc* Committee to look into specific issues and to co-opt members, as representative of Agricultural Universities and other special interests as and when necessary for specific purposes.

4 The Council will meet periodically in areas in which Areca nut and/or Cocoa is grown or at important centres of trade and industry related to these crops and will make recommendations to the Government of India.

5 The Council will continue to function until it is abolished by a Resolution of the Government. The term of the Chairman and other non-official members of the Council would be three years from the date they are nominated on the Council, unless this period is curtailed or extended by a specific order of the Government of India.

6 Those members of the Council who are nominated from among Members of the Parliament will cease to be the members of the council as soon as they cease to be members of the Parliament.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution to be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariates.

2 ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A DAS, Addl Secy.

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 19th August 1977

#### RESOLUTION

No S-61011/3/77/DIA.—In the Committee on Comprehensive Industrial Relations Law and the Composition of the Indian Labour Conference, as set up in Government's Resolution No. S-61011/3/77-DIA, dated the 1st July, 1977, published in the Gazette of India Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 18th July, 1977, in the place of Shri P. D. Kasbekar, appearing as S No 5 under Members, Shri B. L. Shelke, Labour Commissioner, Maharashtra, has been appointed as a Member of that Committee.

#### ORDER

ORDERED that the Resolution be published in Gazette of India, Part I, Section 1.

ORDERED also that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India, State Governments/Administrations of Union Territories and all others concerned.

D BANDYOPADHYAY, Jt. Secy.